वित्र फ़र्ज़ नमाज़ों की तरह अनिवार्य नहीं है। लेकिन , यह सुन्नत है। इसे अल्लाह के रसूल -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम - ने सुन्नत क़रार दिया है।

अली -रज़ियल्लाहु अनहु - कहते हैं ः वित्र फ़र्ज़ नमाज़ों की तरह अनिवार्य नहीं है। लेकिन , यह सुन्नत है। इसे अल्लाह के रसूल -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम - ने सुन्नत क़रार दिया है।

[सहीह़] [इसे इब्ने माजा ने रिवायत किया है । - इसे तिर्मिज़ी ने रिवायत किया है। - इसे नसाई ने रिवायत किया है। - इसे अह़मद ने रिवायत किया है।]

http://www.sunnah.global/hadeeth/hi/show/11263